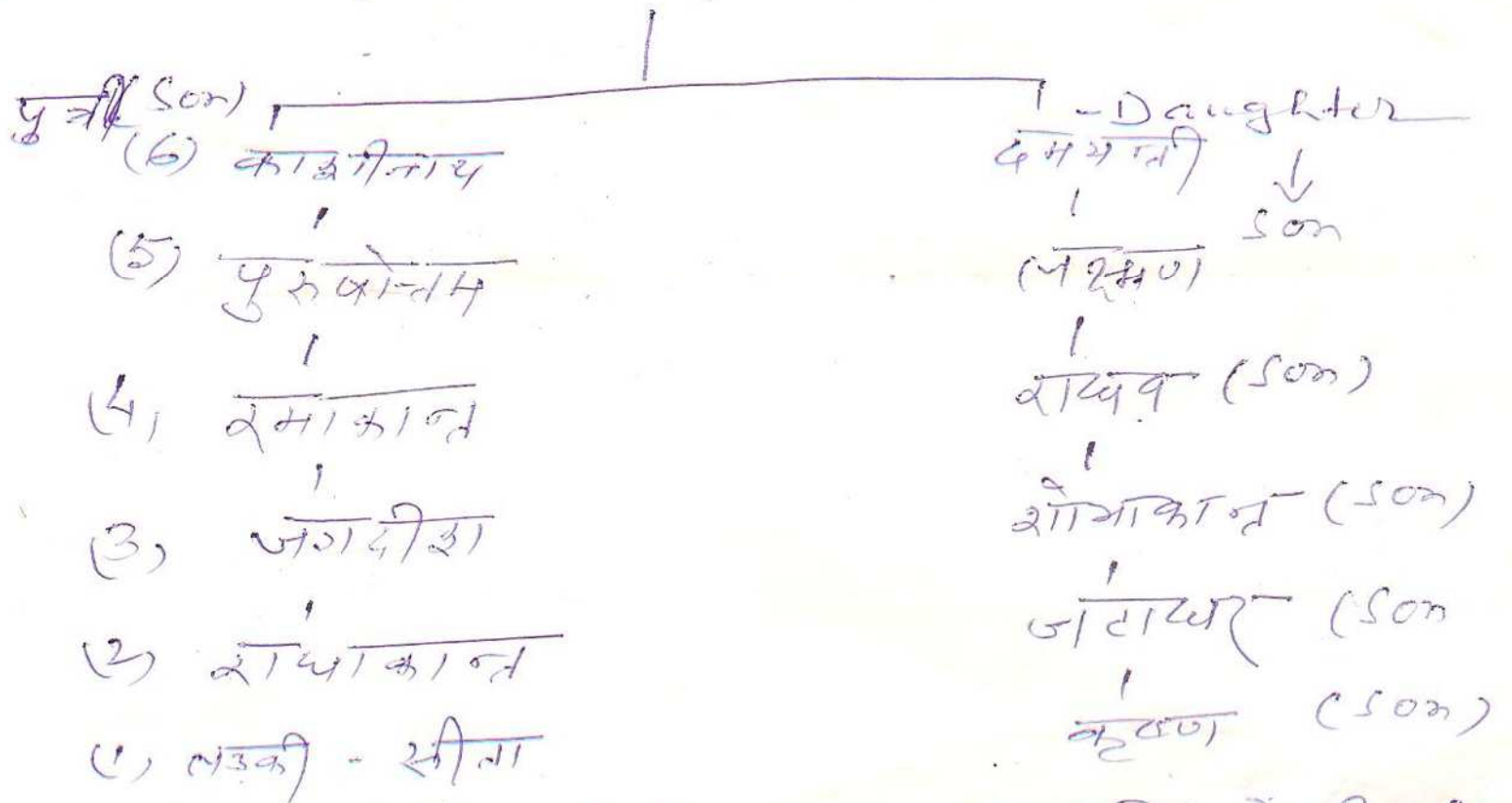


पितृ पक्ष Table - 1

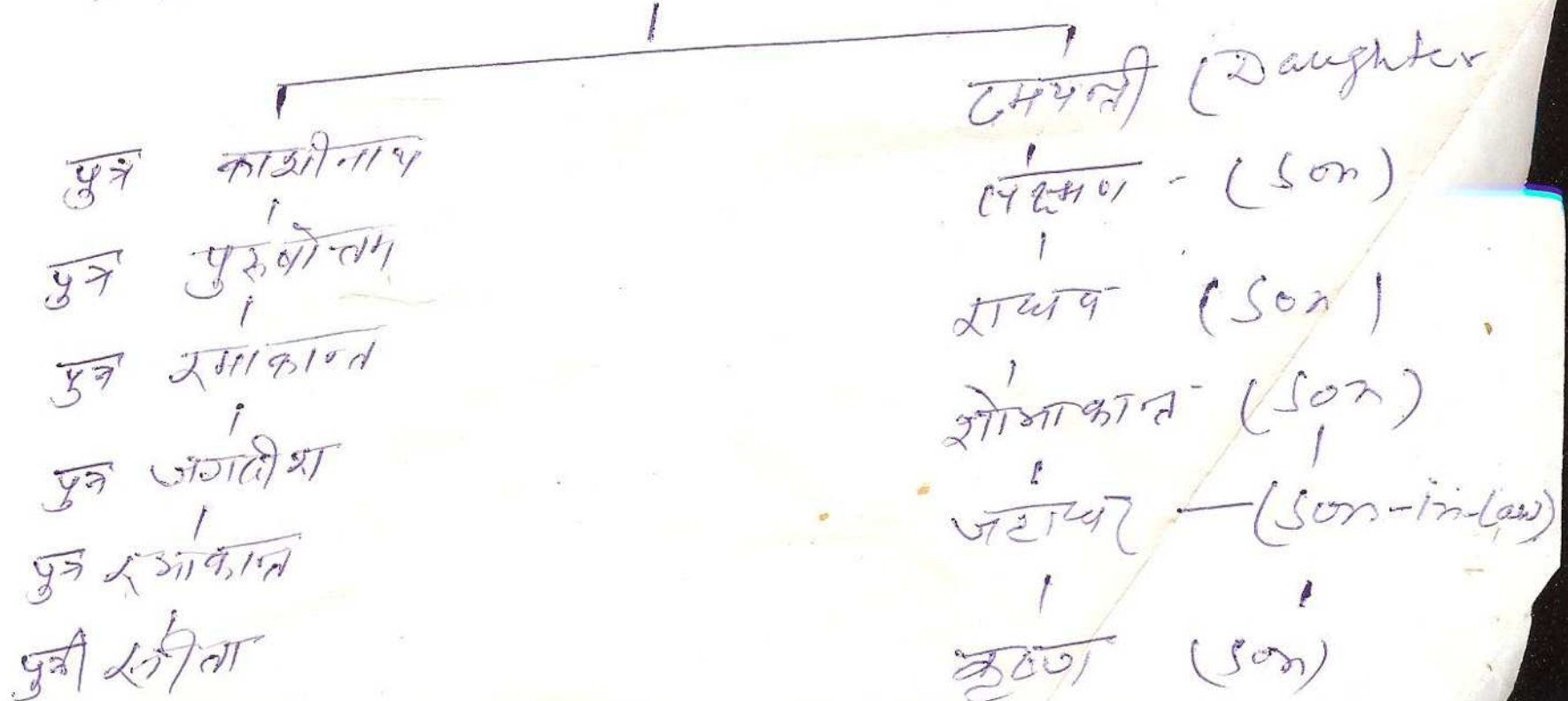
(7) लीलाधर बीजी पुरुष (Common person)



अब इस परिचय को याज्ञवल्क्य स्मृति से दी गई व्यवस्था - पंचमात्सप्रमापूर्व मानृतः पितृवस्थता से जाँचते हैं तो पता है कि बधू सीता कर कृष्ण के पितृ पक्ष से सम्बन्धित है और बीजी पुरुष (Common person) से सातवें स्थान पर है और दोनों के पिता में लीलाधर का गुण युक्त (Chromosome) विद्यमान है. ऐसी परिस्थिति में दोनों का पण्य विवाह होने पर उत्पन्न सन्तान दोष मुक्त होगा.

मातृ पक्ष

Table - 2 लीलाधर





(4)

उपरोक्त Table-2 का परिचय देवने पर पता चलता है  
 कन्या (वधु) सीता बीजी पुरुष सीताधर से सातवरी  
 परती है, परन्तु बीजी पुरुष (Common person) सीताधर  
 वर कृष्ण के मातृ पक्ष से सम्बन्धित है, क्योंकि वर के  
 पिता जराधर बीजी पुरुष (Common person) सीताधर  
 के पुत्र की लगावारीता में न होकर दामाद (Son-in-law)  
 है। अतः वे (सीताधर) वर की मातृ पक्ष से सम्बन्धित हैं।  
 जबकि याज्ञवल्क्य स्मृति में दी गई उपरोक्त व्यवस्था से  
 जो गुण-युक्त (Common person) का निर्धारण होता है वह  
 मातृ पक्ष में 5 पीढ़ी (Degree) के बाद अपनी निम्नतरता  
 को देती है ऐसा कहा गया है। निष्कर्षतः यहाँ उल्लेखित  
 में वधु-सीता और वर कृष्ण के पाला विवाह सम्बन्ध  
 हो सकता है और उससे उत्पन्न संतान निर्दोष होगी।  
 इस सन्दर्भ में मनु का भी यही मत है -

मनुस्मृति :- असपिण्डान्व या सातुरस्रगोत्राः कथापितुः ।  
 साप्रशस्ता विजातीनां दार कर्मणि मै पुनः ॥

असपिण्डा का अर्थ है पिण्ड रहित।

स्मृति तत्त्व नारदः

आसप्तमात्पंचमाश्र्व वंध्युश्चः पितृ मातृतः ।

अविवाह्या सगोत्रा व समाज प्रकरा तथा ॥

पिता की ओर से सातवीं पीढ़ी तथा माता की ओर से पाँचवीं पीढ़ी  
 तक तथा समान गोत्र और समान वंश में विवाह नहीं करनी  
 चाहिए।

विष्णु पुराण

पंचमी मातृ पक्षाद्यपि पितृ पक्षाच्च सप्तमी ।

गृहस्थ उद्गृहे कन्या न्यायेन विधिना नृपेति ॥



स्तौत्री करिहरा

दानश्याम

॥  
रैया

सनकृत्य

किर्तिनाथ

हरिनाथ

वैदिक चित्रनाथ वैदिकधननाथ रवगनाथ

शूलपाणि गदापाणि वृद्धगर्भाणि आदव डीठर

देवकीनन्दन श्रीकानन्द

सिंहेश्वर

महेश्वर

काशीनाथ श्यामानन्द जयनारायण सुकान्त विनायक प्रभोद

गंगानाथ उदिनाथ

अरुण भोजन भीमन (विनयप्रकाश विन्दु प्रकाश) मदनप्र

रमान प्रकाश

(यहैया तरोनी काकुरा जीकदुयै)

શ્રી સંતોષ મા પાદીયેલ-

૬૧૬ શ્રી <sup>ભાઈ</sup> નાથ મા, રૂકુંદુમી

વરિગાગા - જોશનાથ મિશ્ર સ્વીરનમિ  
સરનામું - દીકર

કાન્યા - શ્રી રામ ભાઈ પાંચી  
૬૨૧ - ૧ [કરે રામી]

૬૧૬ પાંચી -  
ગાગા વરનામું

મમા  
જગમ  
મમી નાથ પાંચી  
શ્રી રામ પાંચી

શ્રી રામ  
મમી પાંચી  
શ્રી રામ પાંચી

શ્રી રામ  
મમી પાંચી



श्री गणेशाय नमः ।

पञ्चाङ्गिक सिद्धान्तं पञ्चमिदम् निरूप्यते ।  
सहस्रं मासं लब्धं तत्सुरदेपुरं ग्रामं निवासि-  
नः स्वामिंस्त्रिगुरुं मूलकं स्वामिंस्त्रिगुरुं  
गौतमं श्री योगेश्वरं रामं कनिष्ठं पुत्रं  
श्री विश्वेश्वरं कुमारं स्वामिंस्त्रिगुरुं  
गौतमं स्वामिंस्त्रिगुरुं कनिष्ठं पुत्रं  
मूलकं स्वामिंस्त्रिगुरुं गौतमं श्री रत्ननाथं  
रामं पुत्रं श्री अमरनाथं रामं  
स्वामिंस्त्रिगुरुं संस्कारः सिद्धान्तः ।  
उभयोः पक्षयोः संपिण्डं भावं  
पञ्जीशाहने दुष्टं विकारं संवत्  
मन्त्रं स्वामिंस्त्रिगुरुं स्वामिंस्त्रिगुरुं ।

विवाह विद्यादिः  
आंगुलिमिः २२ । २ । १५ ६६

मासः -

पक्षः -

तिथिः -

दिनम् - स्वामिंस्त्रिगुरुं श्री राम  
हस्ताक्षरम्  
पञ्जीकारम्

कुमारिका श्री श्रीगुरुदेव

श्रीगुरुदेव श्रीगुरुदेव

श्रीगुरुदेव श्रीगुरुदेव

श्रीगुरुदेव श्रीगुरुदेव

श्रीगुरुदेव श्रीगुरुदेव

श्रीगुरुदेव श्रीगुरुदेव



25.5.25  
25.5.25

સાચી  
જાણના  
સિદ્ધિના  
ગરબના

સાચીના જાણના -  
જાણના જાણના જાણના  
જાણના જાણના જાણના  
જાણના જાણના જાણના

જાણના જાણના જાણના

જાણના જાણના - જાણના જાણના

જાણના જાણના -

જાણના જાણના જાણના

જાણના જાણના જાણના

જાણના જાણના જાણના

જાણના જાણના -



श्रीगणेशाय नमः श्रीगणेशाय नमः

\* श्रीगणेशाय नमः श्रीगणेशाय नमः \*

महाराजाधिराज श्री ५ मान मिथिलेश क भाजानुसार पछवारिपारक लौकिक  
तथा श्रेणीक व्यवस्था पञ्जीकर लोकनि जे स्थिर कयलैन्हि अछि से

प्रकाशित कयलजाइछ एहिमध्य जनिका किछु वक्तव्य

होइन्हि से प्रार्थना पद्य द्वारा श्री ५ मान मध्य

निवेदन करथि ततः पद्य विविध सभा

मध्य एकर परामर्श कय पुनः

प्रकाशित कयलजायत ।

लौकिक न०	पछवारिपारक लौकिक नाम	श्रेणी न०	लौकिक न०	लौकिक नाम	श्रेणी न०
१	नरपति झा	प्रथम (१)	६	छोटी झा	चतुर्थ (४)
२	माधवमिश्र	"	७	कोकडीही	"
३	गोनूमिश्र	"	८	पकड़ी	"
४	अश्वन झा	"	९	प्रतिहस्त	"
५	भजुनझा	"	१०	नरहा	"
६	नीलाम्बर मिश्र	"	११	महथूपाठक	"
७	नन्दनझा	"	१२	शीलानाथ	"
८	करियेझा	"			
९	सिंहवाड़	"	१	हर्नारथण ठाकुर	पञ्चम (५)
१०	कस्तझा	"	२	सखाश झा	"
१	पद्मझा	द्वितीय (२)	३	तुलाठाकुर	"
२	श्रीकाशतझा	"	४	नित्यानन्द चौधरि	"
३	मनियारी	"	५	बटाड मिश्र	"
४	नरपतिमिश्र	"	६	गुरेमान ठाकुर	"
५	अमोन	"	७	पद्म	"
६	खुसियालमिश्र	"	८	खगेश झा	"
७	गोनूझा	"	९	खुटीनियां	"
८	परमानन्द चौधरि	"	१	तारापति झा	षष्ठ (६)
९	कमलनयन पाठक	"	२	गोइ मिश्र	"
१०	महादेवझा	"	३	बली चौधरि	"
१	चनानन्दझा	तृतीय (३)	४	गुरली झा	"
२	गणपति मिश्र	"	५	अदन मिश्र	"
३	जीवकरण मिश्र	"	६	लक्ष्मीपति मिश्र	"
४	धारेझा	"	७	विश्वनाथ झा	"
५	सुन्दरि मिश्र	"	८	नील मिश्र	"
६	देवानन्द झा	"	१	बदनी झा	सप्तम (७)
७	पनाइ मिश्र	"	२	हिरदी झा	"
१	भराम	चतुर्थ (४)	३	विश्वेश्वर चौधरि	"
२	शूलपाणि झा	"	४	वंशी चौधरि	"
३	वसन्तपुर	"	५	वरानो	"
४	प्रभाकर चौधरि	"	६	मछसैन	"
			७	सनाकर झा	"
			८	यदुना झा	"
			९	मदुर झा	"



लौ० न०	लौकिक नाम	श्रेणी न०	लौ० न०	लौकिक नाम	श्रेणी न०
१	बोधकृष्ण झा	अष्ट ( ८ )	१०	अम्दी मिश्र	"
२	बीर झा	"	११	गुणानन्द झा	"
३	मालापुर	"	१२	भक्षी	"
४	नरेश झा	"	१३	मोहना	"
५	कस्त झा	"	१४	मुगारी	"
६	पति मिश्र	"	१५	सप्ता	"
७	मोगल झा	"	१६	वेरमा	"
८	गतिराम झा	"			
९	प्रतापनारायण	"			

१	रतिकर झा	नवम ( ९ )
२	झाझारपुर	"
३	भक्तपुर	"
४	कौशिकीदत्त झा	"
५	टङ्कवाल महिधर झा	"
६	गुनी झा शकराही	"
७	मदेशपुर	"
८	हालो	"
९	महिधर झा	"
१०	नारो झा	"
११	वेचू झा	"

१	कन्हौलो	दशम ( १० )
२	मचली मिश्र	"
३	विष्णुदत्तपुर	"
४	धराधर चौधरि	"
५	चीरा मिश्र	"
६	रुद्र नारायण	"
७	लक्ष्मी नारायण	"
८	प्रद्युम्न झा	"
९	भड़गामपाकी	"
१०	भुवन झा	"
११	नित्यानन्द कुजौली	"
१२	खौआल कौशिकीदत्त	"
१३	चक्रपाणि चौधरि	"
१४	विन्धी महादेव झा	"

१	रशिक नारायण	एकादश ( ११ )
२	भुवन झा	"
३	सागरपुर	"
४	चान पाठक	"
५	बहेड़ी	"
६	खण्डू	"
७	तरौनी बलियास	"
८	हरिनगर	"
९	काक ठाकुर	"

१	नक्कू झा	द्वादश ( १२ )
२	यशीभुवन	"
३	नीधि मिश्र	"
४	हरदत्त ठाकुर	"
५	लालविहारी झा	"
६	रोहाड़	"
७	कलुआ	"
८	नेहाल चौधरि	"
९	उमाई मिश्र	"
१०	आभी झा	"
११	फेड कटार्	"
१२	भरविन्द झा	"
१३	उचली प्रभुनाथ झा	"
१४	मीराम मोखरि	"
१५	लदौराक बलियास	"

१	पडोल नरौन	त्रयोदश ( १३ )
२	रंक झा	"
३	कोलहड़ा	"
४	जांता	"
५	नागदह	"
६	मन्नूराम झा	"
७	रघुपति झा कलुआल	"
८	घाना गरवभ	"
९	रमानाथ पाकी	"

१	माखीराम चौधरि	चतुर्दश ( १४ )
२	अम्दी कन्दह	"
३	बखनू देवान	"
४	सपहा	"
५	भारु ठाकुर	"
६	जनाड़	"
७	झाजी ध्यामी	"
८	पातठाकुर	"



[illegible]

महेश्वर

682991 - 682991



( ३ )

लौ. न०	लौकिक नाम	श्रेणी न०	लौ. न०	लौकिक नाम	श्रेणी न०
१	कालाठाकुर	पंचदश (१५)	४	काक ठाकुर	"
२	नीलाम्बर बलियास	"	५	सधौर	"
३	नीलाम्बर चौधरी	"	६	हरदत्त शा	"

लौकिक नाम

१३

श्रेणी संख्या

१५

दः श्री विश्वनाथ शा उः निरसुसा पञ्जीकार लौकिक श्रेणी दुस्त वः सास

दः श्री गोपनाथशा उः लुनाथशा " " "

दः श्री गङ्गाधर ठाकुर " " "

दः श्री लूटनशा " " "

दः श्री विष्णुदत्त मिश्र " " "

दः श्री वेदान्त मिश्र " " "

दः श्री उमापतिशा " " "

दः श्री लक्ष्मीदत्त मिश्र " " "

दः श्री कुमारशा " " "

दः श्री चिरञ्जोवशा " " "

दः श्री रघुनाथशा " " "

दः श्री गिरीशानन्दशा पञ्जीकार लौकिक श्रेणी दुस्त वः रघुनाथशा मजुकर



[illegible]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

$$\begin{array}{r} 125 \\ \times 2 \\ \hline 250 \end{array}$$

$$\begin{array}{r} 125 \\ \times 4 \\ \hline 500 \end{array}$$

$$\begin{array}{r} 125 \\ \times 8 \\ \hline 1000 \end{array}$$

$$\begin{array}{r} 125 \\ \times 16 \\ \hline 2000 \end{array}$$

$$\begin{array}{r} 125 \\ \times 32 \\ \hline 4000 \end{array}$$



713627

3/15/17

21/12/2021

[illegible]

~~Wickham~~

~~7806948~~

~~— 6206948~~

~~— 6206948~~

~~LUCY OAK~~

~~LAST ONE~~

~~THE~~

~~wednesday~~







પાલક પુત્રના યમા -  
પાલકે ઉપાસના યમા રતિ-ચેત્તુ દર્શન  
મીઠાના યમા

મીઠાના - મીઠાના - ઉપાસ

સારું -  
કામ કેન્દ્રના યમા

લીલાના યમા

સાચા - લીલાના

સાચા - લીલાના

લીલાના યમા